

समित 2026 : एआई के जरिये बदलती तस्वीर आईआईटी इंदौर ने पेश किए स्केलेबल एआई टेक मॉडल



इंदौर | इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 के दौरान, आईआईटी इंदौर ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर आधारित कई तकनीकों का प्रदर्शन किया। इस समिट में प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों, उद्योग विशेषज्ञों, स्टार्टअप्स और नीति निर्माताओं ने भाग लिया। आईआईटी इंदौर ने स्वास्थ्य सेवा, कृषि, जलवायु परिवर्तन, स्मार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर, साइबर सुरक्षा, मैन्युफैक्चरिंग 4.0 और सेमीकंडक्टर जैसे क्षेत्रों में विकसित एआई-सक्षम मॉडल, प्रीडिक्टिव एनालिटिक्स और इंटेलिजेंट प्लेटफॉर्म की जानकारी प्रस्तुत की।

संस्थान के डायरेक्टर प्रो. सुहास जोशी ने बताया, उनका प्राथमिक उद्देश्य एआई को प्रयोगशालाओं तक सीमित नहीं रखना, बल्कि समाज में इसके ठोस प्रभाव को महसूस कराना है।

इसके अलावा, डीन (अनुसंधान एवं विकास) प्रो. अभिरूप दत्ता ने बताया कि आईआईटी इंदौर डेटा-आधारित इंटेलिजेंस और सहयोगात्मक नवाचार के जरिये वास्तविक समस्याओं का समाधान कर रही है।

समिट में कृषि के क्षेत्र में, एग्रीहब ने फसल उत्पादकता बढ़ाने और निर्णय समर्थन प्रणाली जैसे एआई समाधानों पर ध्यान केंद्रित किया। वहीं, डिजिटल हेल्थकेयर के लिए, आईटीआई दृष्टि सीपीएस फाउंडेशन ने स्केलेबल एआई सिस्टम का प्रदर्शन किया, जो हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर और एनालिटिक्स के समाकलन पर आधारित है। इन सहयोगों से प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, प्रायोजित परियोजनाओं और रणनीतिक उद्योग सहयोग को नई ऊर्जा मिलने की उम्मीद है।